Pakistani Remote Controlled Pilotless Vehicle

*355. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI SUSHILKUMAR
SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that no wreckage of the Pakistani Remote Controlled Pilotless Vehicle (RPV) shot down over Bhuj was recovered around the site;

(b) if so, whether it is a fact that the Pakistani RPV is likely to have managed to escape and was not really shot down; and

(c) whether the Pakistani RPVs stray into Indian airspace under the cover of civilian planes and go unnoticed; if so, the Government's reaction thereto for security of Indian airspace against espionage and surveillance by foreign aircrafts?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI MULAYAM SINGH YADAV): (a) to (c) In January, 1997, the Indian Air Force sighted an intrusion by a remotely piloted vehicle (RPV). Since this was an unlawful intrusion into Indian airspace, it attempted to intercept the RPV, and also fired at it. Although the RPV was seen to be hit, due to inhospitable terrain and marshy land, no debris has been recovered. There have been stray violations of Indian airspace from across the borders in the past as well, which were taken up with the neighbouring country concerned. Steps have also been taken to prevent such intrusions in future.

गुजरात दूरसंचार सर्कल द्वारा उपयोग न की गई धनराशि का लौटाया जाना

*356. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1995-96 के दौरान, सरकार द्वारा गुजरात सर्कल को आबंटित की गई धनराशि का अद्यतन जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) सर्कल द्वारा कितनी धनराशि उपयोग में लाई गई/लौटाई गई;

(ग) गुजरात में दूरसंचार व्यवस्था में सुधार लाने के लिए आबंटित की गई धनराशि को लौटाने के क्या कारण है;

(घ) क्या उक्त अवधि के दौरान देश के किसी अन्य दूरसंचार सर्कल ने भी सरकार द्वारा आबंटित की गई धनराशि में से कोई धनराशि लौटाई है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण है?

संचार मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा): (क) 1995-96 के दौरान गुजरात दूरसंचार सर्कल को 4742190 हजार रुपये की राशि आबंटित की गई थी। जिला-वार ब्यौरा विवरण में संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(ख) 4681743 हजार रुपये की राशि का प्रयोग, सर्कल द्वारा किया गया है और शेष 60447 हजार रुपये अप्रयुक्त रह गए हैं।

(ग) 60447 हजार रुपये की राशि, भूमि अधिग्रहण संबंधी मामलों को अंतिम रूप न दिए जाने के कारण प्रयोग नहीं की जा सकी।

(घ) और (ङ): जी हां। कुछ दूरसंचार सर्कलों ने 1995-96 के दौरान आबंटित रकम का कुछ अंश निम्नानुसार अभ्यर्पित कर दिया है।

दूरसंचार सर्किल	अभ्यर्पित रकम (करोड़ रुपये में)
मध्य प्रदेश दूरसंचार	55.00
बिहार दूरसंचार	37.07
कलकत्ता परियोजनाएं	40.00
एएलटीटीसी, गाजियाबाद	1.72
दूरसंचार फैक्टरी, जबलपुर	0.49

यह अभ्यर्पण, वित्तीय वर्ष 1995-96 में कुछ दूरसंचार उपस्कर प्राप्त न होने के कारण किया गया है।

इसके अलावा, कुछ सर्कलों ने 1995-96 के अंतिम अनुदान के तहत उन्हें आबंटित रकम का प्रयोग नहीं किया है। ब्यौरा विवरण-II में दिया गया है। **(नीचे देखिए)**। इस प्रकार की बचत मुख्यतः कुछ उपस्कर प्राप्त न होने, अदाकर्ता सर्कलों से नामे राशि प्राप्त न